ECONOMICS

Paper-II : Indian Economic Thought

Time Allowed : Three Hours **Maximum marks : 100**

Part-A (Compulsary)

खण्ड–अ (अनिवार्य)

1. Explain : समझाइये :

(i) Who is the author of the book "An Inquiry into the Nature and Causes

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

of Weath of Nations"? When was it published?
"An Inquiry into the Nature and Causes of Weath of Nations" पुस्तक के लेखक कौन हैं? यह कब प्रकाशित हुई थी।

(ii) What are the branches of Economics according to Kautilya?
कोटिल्य के अनुसार अर्थशास्त्र की शाखाएँ क्या हैं?

(iii) Integrated rationality. समग्र विवेकशीलता।

(iv) Code of conduct for spending. व्यय की आचार संहिता।

(v) What is Bhoodan? Who propounded it?
भू–दान क्या है? यह अवधारणा किसने दी है?

(vi) Write name of two books of Swami Dayanand Saraswati.
स्वामी दयानन्द सरस्वती की दो पुस्तकों के नाम लिखिये।

(vii) Meaning of Wantlessness. आवश्यकता विहीनता का अर्थ।

(viii) Write down the poverty measurement formula of Prof. Amartya Sen.
प्रो. अमर्त्य सेन का निर्धनता–माप का सूत्र लिखिये।

(ix) Economic Democracy. आर्थिक लोकतन्त्र।

(x) Simple life and high thinking. सादा जीवन एवं उच्च विचार।

Part-B (भाग–ब)

2. (i) Point out major books of prominent ancient Indian economic thought. प्राचीन भारतीय आर्थिक चिन्तन के प्रमुख स्त्रोत ग्रन्थों के नाम बताइये।

(ii) Explain primary necessities as described in ancient Indian economic thought. प्राचीन भारतीय आर्थिक चिन्तन में वर्णित प्राथमिक आवश्यकताओं को स्पष्ट कीजिये।

(iii) Explain the importance of animal husbandry according to Swami Dayanand Saraswati.
स्वामी दयानन्द सरस्वती के अनुसार पशुपालन का महत्व समझाइये।

(iv) Analyse the views of Prof. R.C. Dutt on poverty and public finance.
प्रो. आर.सी. दत्त द्वारा निर्धनता एवं सार्वजनिक वित्त पर व्यक्त विचारों का विश्लेषण कीजिये।

(v) Cooperative socialism. सहकारी समाजवाद।

Part-C (भाग–स)

Unit-I (इकाई–I)

3. Explain:
(i) Definition and scope of economics according to Kaurtilya.
(ii) The concept of restrained consumption and co-consumption.
समझाइये :
(i) कौटिल्य के अनुसार अर्थशास्त्र की परिभाषा एवं क्षेत्र
(ii) संयमित उपभोग एवं सह–उपभोग की अवधारणा।

OR

Explain the economic ideas of ancient Indian economic thinkers.
प्राचीन भारतीय आर्थिक विचारकों/चिन्तकों के आर्थिक विचारों को स्पष्ट कीजिये।

http://questionpaperesult.com/

Scanned by CamScanner

Unit-II (इकाई–II)

4. Describe the ideas of Dadabhai Naoroji on poverty, national income, price and wages. दादाभाई नौरोजी के निर्धनता, राष्ट्रीयता आय, कीमतें तथा मजदूरी सम्बन्धी विचारों का वर्णन कीजिये।

OR

Explaining the economic ideas of Gopal Krishna Gokhale on foreign exchange, trade and labour, evaluate his welfare schemes as part of economic reforms. गोपाल कृष्ण गोखले के विदेशी विनिमय, व्यापार तथा श्रम के सम्बन्ध में विचार स्पष्ट करते हुए, उनके आर्थिक सुधार के कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिये।

5. Analyse the ideas of M.N. Roy on the poverty, unemployment, agriculture and industry. एम.एन. रॉय के निर्धनता, बेरोजगारी, कृषि एवं उद्योग सम्बन्धी विचारों का विश्लेषण कीजिये।

OR

Explain in detail the economic ideas of Mahatma Gandhi on trusteeship, mechanisation, swadeshi and Ram Rajya.
महात्मा गाँधी के प्रन्यास सिद्धान्त, मशीनीकरण, स्वदेशी तथा राम राज्य पर उनके आर्थिक विचारों को विस्तार से समझाइये।

http://questionpaperesurf.com/

Scanned by CamScanner